संस्कृत-परम्परागत-विषय:

SANSKRIT TRADITIONAL SUBJECTS

प्रश्नपत्रम् — II प्रश्नपत्र — II

PAPER — II

संकेत : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **पञ्चाशत्** (50) बहुविकल्पीयप्रश्ना: सन्ति । तेषु प्रतिप्रश्नमङ्कद्वयम् । **सर्वे** प्रश्ना: उत्तरणीया: ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचास** (50) बहुविकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो** (2) अंक हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

Note : This paper contains **fifty** (50) multiple-choice questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt all of them.

1. सूर्यस्योच्च राशिरस्ति ।

सूर्य की उच्च राशि है ।

The उच्च राशि of सूर्य is :

(A) मेष:	(B) वृष:

(C) मिथुन:	(D) कर्क:

2. विंशोत्तर्यां दशायां वर्षाणि भवन्ति ।

विंशोत्तरी दशा में वर्ष होते हैं ।

In the case of विंशोत्तरीदशा the number of years is :

(A) 36	(B) 100

(C) 108	(D) 120

3. गुरु: पश्यति ।

गुरु देखता है ।

गुरु expects on :

(A) तृतीयं दशमञ्च स्थानम् ।	(B) चतुर्थमष्टमञ्च स्थानम् ।

(C) पंचमं नवमञ्च स्थानम् ।	(D) लग्नं स्थानम् ।

www.examrace.com

4. दिनरात्रिमाने समाने भवतः

दिन और रात्रि का मान समान होता है

The duration of day and night is equal in :

(A) अयनदिने। (B) विषुवद्दिने।

(C) संक्रान्तौ। (D) पूर्णिमायाम्।

5. अस्य कक्षा ग्रहेषु सर्वोपरि वर्तते

ग्रहों में इसकी कक्षा सर्वोपरि है

The कक्षा of this planet remains above all :

(A) बुधस्य (B) बृहस्पतेः

(C) शुक्रस्य (D) शनैश्चरस्य

6. चन्द्रग्रहणं सम्भाव्यते।

चन्द्रग्रहण पड़ता है

Lunar eclipse occurs in :

(A) अमायाम्। (B) पूर्णिमायाम्।

(C) संक्रान्तौ। (D) पूर्णिमायां ग्रासभावे।

7. लघुकृतिष्वत्र सन्धिविधायकं सूत्रम् भवति

लघुकृतिः इस में सन्धिविधायक सूत्र है

In लघुकृतिः the rule prescribing सन्धि is :

(A) वृद्धिरेचि (B) इको यणचि

(C) उरण् रपरः (D) अदेङ्गुणः

www.examrace.com

8. 'द्वित्राः' इति भवत्युदाहरणम्

'द्वित्राः' इसका उदाहरण है

'द्वित्राः' is an example of :

(A) कर्मधारयस्य (B) बहुव्रीहेः

(C) द्वन्द्वस्य (D) अव्ययीभावस्य

9. 'अग्निमान् धूमात्' इत्यत्र पञ्चमीविधायकं सूत्रम् अस्ति

'अग्निमान् धूमात्' इस में पञ्चमीविधायक सूत्र है

In 'अग्निमान् धूमात्' the rule prescribing पञ्चमी is :

(A) विभाषा गुणेऽस्त्रियाम् (B) हेतौ

(C) ध्रुवमपायेऽपादानम् (D) पञ्चमी विभक्ते

10. नव्यन्याये प्रमाणानि स्वीक्रियन्ते

नव्यन्याय में प्रमाण माने जाते हैं

In नव्यन्याय the number of प्रमाण s is :

(A) त्रीणि (B) चत्वारि

(C) षट् (D) अष्ट

11. न्यायदर्शने गुणाः सन्ति

न्यायदर्शन में गुण होते हैं

In न्यायदर्शन the number of गुण s is :

(A) त्रयः (B) अष्टौ

(C) षोडश (D) चतुर्विंशतिः

www.examrace.com

12. न्यायदर्शने पदार्थाः सन्ति

न्यायदर्शन में पदार्थ होते हैं

In न्यायदर्शन the number of पदार्थ s is :

(A) षड् (B) सप्त

(C) अष्टौ (D) षोडश

13. न्यायदर्शनस्य सिद्धान्तोऽस्ति

न्यायदर्शन का सिद्धान्त है

This is a doctrine of the न्यायदर्शन :

(A) प्रधानकारणवादः (B) सत्कार्यवादः

(C) परमाणुकारणवादः (D) ब्रह्मकारणवादः

14. मीमांसासूत्रस्य कर्ता अस्ति

मीमांसा सूत्र का कर्ता है

The author of the मीमांसासूत्र is :

(A) जैमिनिः (B) बादरायणः

(C) गौतमः (D) कपिलः

15. मीमांसासूत्रस्य भाष्यकारोऽस्ति

मीमांसासूत्र का भाष्यकार है

The author of the commentary on मीमांसासूत्र is :

(A) शङ्कराचार्यः (B) वात्स्यायनः

(C) रामानुजाचार्यः (D) शबरस्वामी

www.examrace.com

16. मीमांसामतं धर्मलक्षणम् अस्ति

मीमांसा के अनुसार धर्म का लक्षण है

The definition of धर्म according to मीमांसा is :

(A) धारणाद्धर्मः

(B) अहिंसा परमो धर्मः

(C) चोदनालक्षणोऽर्थो धर्मः

(D) वेदोक्तं धर्मलक्षणम्

17. लौगाक्षि भास्करः कर्ता अस्ति

लौगाक्षि भास्कर कर्ता है

लौगाक्षि भास्कर is the author of :

(A) मीमांसान्यायप्रकाशस्य

(B) अर्थसंग्रहस्य

(C) जैमिनीयन्यायमालायाः

(D) मीमांसापरिभाषायाः

18. सांख्यदर्शने जगत्कारणं भवति

सांख्यदर्शन में जगत्कारण होता है

According to the सांख्य, the cause of जगत् is :

(A) ब्रह्म

(B) माया

(C) प्रधानम्

(D) ईश्वरः

19. सांख्यमते गुणाः भवन्ति

सांख्यमत के अनुसार गुण होते हैं

In the सांख्य view the nubmer of गुण s is :

(A) त्रयः

(B) चत्वारः

(C) षड्

(D) दश

www.examrace.com

20. योगदर्शने ईश्वरोऽस्ति

योगदर्शन में ईश्वर है

ईश्वर in योगदर्शन is :

(A) जगत्कर्ता (B) पुरुषविशेषः

(C) प्रकृतेः परिणामः (D) ब्रह्मस्वरूपः

21. योग दर्शनस्य प्रवर्तकोऽस्ति

योगदर्शन का प्रवर्तक है

The propounder of योगदर्शन is :

(A) कपिलः (B) पतञ्जलिः

(C) जैमिनिः (D) व्यासः

22. ऋग्वेदे मण्डलानि सन्ति

ऋग्वेद में मण्डल होते हैं

The nubmer of Mandalas in the ऋग्वेद is :

(A) षड् (B) अष्ट

(C) दश (D) द्वादश

23. चार्वाकानां मते इदमेकमेव प्रमाणम्

चार्वाक मत में यह एक प्रमाण है

According to the Cārvakas, this is the only प्रमाण :

(A) अनुमानम् (B) प्रत्यक्षम्

(C) उपमानम् (D) अर्थापत्तिः

www.examrace.com

24. भाट्टमीमांसकमते प्रमाणानि भवन्ति

भाट्टमीमांसक मत में प्रमाण होते हैं

According to भाट्ट मीमांसक s the number of प्रमाण s is :

(A) नव
(B) त्रीणि
(C) सप्तानि
(D) षट्

25. अस्मिन् मते ब्रह्म केवलं निमित्तकारणं भवति

इस मत में ब्रह्म केवल निमित्तकारण है

According to this view, Brahman is only an instrumental cause :

(A) अद्वैतवेदान्ते
(B) माध्ववेदान्ते
(C) विशिष्टाद्वैतवेदान्ते
(D) शैवविशिष्टाद्वैतवेदान्ते

26. शुक्लयजुर्वेदस्य शाखा भवति

शुक्लयजुर्वेद की शाखा होती है

This is a शाखा of शुक्लयजुर्वेद :

(A) तैत्तिरीय
(B) माध्यन्दिनी
(C) शाकलीय
(D) शौनकीय

27. शुक्लयजुर्वेदसंहितायाः नामान्तरम् अस्ति

शुक्लयजुर्वेदसंहिता का नामान्तर होता है

The other name of शुक्लयजुर्वेदसंहिता is :

(A) काठसंहिता
(B) शाकलसंहिता
(C) वाजसनेयी संहिता
(D) मैत्रायणी संहिता

www.examrace.com

28. माध्यन्दिनसंहितायाः अध्यायाः सन्ति

माध्यन्दिन संहिता के अध्याय होते हैं

The number of chapters in the माध्यन्दिनसंहिता is :

(A) षोडश (B) त्रिंशत्

(C) पञ्चत्रिंशत् (D) चत्वारिंशत्

29. द्वैतमते जीवपरमात्मनोः सम्बन्धः भवति

द्वैतमत में जीव और परमात्मा का सम्बन्ध होता है

The relation between जीव and परमात्मन् in द्वैतमत is :

(A) शेष-शेषिभावः (B) भेदाभेदकभावः

(C) शरीर शरीरिभावः (D) जन्यजनकभावः

30. द्वैतमते उपनिषदां तात्पर्यमस्ति।

द्वैतमत में वेदान्तों का तात्पर्य होता है।

The intention of the Upanisads accoridng to द्वैत is :

(A) अद्वितीये ब्रह्मणि (B) सप्रपञ्चे ब्रह्मणि

(C) श्रीमन्नारायणस्य सर्वोत्तमत्वे (D) सोपाधिके ब्रह्मणि

31. द्वैतमते प्रमाणानि सन्ति

द्वैत मत में प्रमाण होते हैं

In Dvaita view, the number of Pramāṇas is :

(A) चत्वारि (B) त्रीणि

(C) पञ्च (D) षट्

www.examrace.com

32. दायभागे श्रेष्ठभागस्य अधिकारी पुत्रो भवति

दायभाग में श्रेष्ठभाग का अधिकारी पुत्र होता है

In दायभाग, the son who is eligible for the most valuable part is :

(A) कनिष्ठः (B) दत्तकः

(C) मध्यमः (D) ज्येष्ठः

33. धर्मशास्त्रानुसारम् आशौचं निवर्तते ।

धर्मशास्त्र के अनुसार आशौच नहीं लगता ।

According to धर्मशास्त्र, the आशौच discontinues :

(A) पुत्रत्रयान्तरे (B) पञ्चपुत्रानन्तरे

(C) सप्तपुत्रानन्तरे (D) दशपुत्रानन्तरे

34. विवाहप्रकाराः सन्ति ।

विवाह के भेद होते हैं ।

The kinds of marriages are :

(A) पञ्च (B) सप्त

(C) षट् (D) अष्टौ

35. मिताक्षरायाः कर्ता अस्ति ।

मिताक्षरा का कर्ता है ।

The author of मिताक्षरा is :

(A) प्रतापरुद्रदेवः (B) विज्ञानेश्वरः

(C) जीमूतवाहनः (D) मित्रमिश्रः

www.examrace.com

36. विश्वनाथमते काव्यलक्षणम् अस्ति

विश्वनाथ के मत में काव्यलक्षण होता है

The definition of काव्य according to विश्वनाथ is :

(A) रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः

(B) वाक्यं रसात्मकम्

(C) शब्दार्थौ सहितौ

(D) तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि

37. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' इति मतम् अस्ति

'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' यह मत होता है

'काव्यस्यात्मा ध्वनिः' is the view of :

(A) भामहस्य

(B) कुन्तकः

(C) आनन्दवर्धनस्य

(D) वामनस्य

38. इयं लक्षणा रूपकालङ्कारस्य बीजम् अस्ति

यह लक्षणा रूपकालंकार का बीज होता है

This type of लक्षणा is the root of रूपकालंकार :

(A) रूढा

(B) प्रयोजनवती

(C) साध्यवसाना

(D) सारोपा

39. अभिनवगुप्तस्य स्ववादः कथ्यते

अभिनवगुप्त का स्ववाद कहलाता है

The स्ववाद of अभिनवगुप्त is known as :

(A) उत्पत्तिवादः (B) अनुमितिवादः

(C) व्यक्तिवादः (D) भुक्तिवादः

40. महापुराणानां संख्या अस्ति।

महापुराणों की संख्या है।

The number of महापुराण s is :

(A) अष्टौ (B) दश

(C) अष्टादश (D) पञ्चविंशतिः

41. भगवतः श्रीविष्णोः अवताराः बभूवुः।

भगवान् विष्णु के अवतार होते हैं।

The number of Visnu's incarnations is :

(A) दश (B) पञ्चदश

(C) अष्टौ (D) अष्टाविंशतिः

42. 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' सूक्तिरियं मिलति

'कर्मण्येवाधिकारस्ते' यह उक्ति मिलती है

'कर्मण्येवाधिकारस्ते' - This statement is found in :

(A) श्रीमद्भागवते (B) विष्णुपुराणे

(C) श्रीमद्भगवद्गीतायाम् (D) वायुपुराणे

43. शकुन्तलोपाख्यानं मिलत्यत्र

शकुन्तलोपाख्यान इस में मिलता है

The शकुन्तलोपाख्यान is found in :

(A) श्रीमद्भागवते

(B) महाभारते

(C) देवीभागवते

(D) अग्निपुराणे

44. पाशाः भवन्ति

पाश होते हैं

The number of पाश s is :

(A) अनन्ताः

(B) त्रयः

(C) एकः

(D) द्वौ

45. आगमानुसारेण मुक्तेः स्वरूपम् अस्ति

आगमानुसार मुक्ति का स्वरूप होता है

The nature of मुक्ति according to Āgamas is :

(A) दुःखत्रयस्य आत्यन्तिकनिवृत्तिः

(B) स्वरूपे अवस्थानम्

(C) प्रमितिः

(D) सर्वतन्त्रस्वतन्त्रता

www.examrace.com

46. तन्त्रसारस्य कर्ता अस्ति

तन्त्रसार का कर्ता होता है

The author तन्त्रसार is :

(A) अभिनवगुप्तः

(B) गौतमः

(C) बादरायणः

(D) नारदः

47. अद्वैतवेदान्ते वार्तिककारः अस्ति

अद्वैतवेदान्त में वार्तिककार है

In अद्वैतवेदान्त, the वार्तिककार is :

(A) सुरेश्वराचार्यः

(B) पद्मपादाचार्यः

(C) प्रकाशात्मयतिः

(D) मधुसूदनसरस्वती

48. 'ब्रह्मणो जिज्ञासा' इत्यत्र ब्रह्मण इति

'ब्रह्मणो जिज्ञासा' इस में 'ब्रह्मणः' होता है

'ब्रह्मणो जिज्ञासा' - here the 'ब्रह्मणः' is :

(A) कर्तरि षष्ठी

(B) शेषे षष्ठी

(C) अनादरे षष्ठी

(D) कर्मणि षष्ठी

www.examrace.com

49. पञ्चपादिकायाः कर्ता अस्ति।

पञ्चपादिका का कर्ता है।

The author of पञ्चपादिका is :

(A) पद्मपादः

(B) श्रीशङ्करः

(C) विद्यारण्यः

(D) सुरेश्वरः

50. भामतीप्रस्थानस्य प्रथमोपदेष्टा अस्ति।

भामतीप्रस्थान का प्रथमोपदेष्टा होता है।

The founder of भामतीप्रस्थान is :

(A) श्रीहर्षः

(B) पद्मपादाचार्यः

(C) वाचस्पतिमिश्रः

(D) सदानन्दः

- o O o -

www.examrace.com